एथनॉल के बेंचमार्क प्राइस से शुगर मिलों में नाराजगी

[श्रेया जय | नई दिल्ली]

सरकार ऑयल कंपनियों ने पेट्रोल में मिलाने के लिए एथनॉल खरीदने के लिए बेंचमार्क कीमत तय की है, जिसका चीनी मिलें विरोध कर रही हैं। इस विवाद से पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के इंपोर्ट बिल में कमी करने का भारत का प्लान और लटक सकता है।

पेट्रोलियम मिनिस्ट्री को भेजे ज्वाइंट स्टेटमेंट में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा है कि वे एथनॉल सिर्फ उन्हीं मिलों से खरीदेंगी, जो 44 रुपये प्रति लीटर के बेंचमार्क प्राइस पर इसे देने को तैयार हों। इकनॉमिक टाइम्स ने भी इस लेटर की कॉपी देखी है। हालांकि भारतीय शुगर मिलें इस कदम का विरोध कर रही हैं। उनके लिए गन्ने की कॉस्ट लगातार बढ़ रही है और ग्लोबल मार्केट में चीनी के दाम अभी कम हैं। इस वजह से मिलों के लिए एक्सपोर्ट भी फायदे का सौदा नहीं रह गया है। शुगर इंडस्ट्री के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने कहा कि ऑयल कंपनियों ने बेस प्राइस तय कर लिया है और वे इससे 10 पर्सेंट से ज्यादा कीमत नहीं देंगी। उन्होंने इससे ज्यादा दाम वाली एथनॉल की सारी बोलियां खारिज कर दी हैं। सरकार का एथनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम 2006 में शुरू हुआ था। हालांकि ऑयल कंपनियों और शुगर मिलों के बीच इसकी कीमत को लेकर टकराव के चलते इसमें देरी हो रही है। शुगर मिलें शीरे का प्रॉडक्शन करती हैं, जो देश में एथनॉल का मुख्य जरिया है।

शुगर इंडस्ट्री के एक एग्जिक्यूटिव ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि खुद की तय की हुई कीमत पर एथनॉल खरीदने से ऑयल कंपनियों को एक लीटर पेट्रोल पर 11 रुपये की बचत होगी। उन्होंने पिछले साल जनवरी और जुलाई में एथनॉल जिस भाव पर खरीदा था, यह बचत उससे ज्यादा है। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने भी इसकी पुष्टि की है कि ऑयल कंपनियों ने 44 रुपये लीटर का बेंचमार्क प्राइस तय किया है। हालांकि उसने यह भी कहा कि कंपनियां इसमें बढ़ोतरी के बारे में विचार कर रही हैं। कैबिनेट कमेटी ऑन इकनॉमिक अफेयर्स ने पिछले साल जून से पेट्रोल में 5 पर्सेंट एथनॉल मिलाना जरूरी कर दिया था, लेकिन प्रोक्योरमेंट में दिक्कत के चलते अब तक यह लागू नहीं हो पाया है। पिछले साल ऑयल कंपनियों ने एथनॉल खरीदने के लिए दो टेंडर दिए थे। उन्हें साल में 1.05 अरब लीटर एथनॉल की जरूरत है। जनवरी में कंपनियों ने 38.2 करोड़ लीटर का ऑर्डर दिया था, लेकिन नवंबर तक वे सिर्फ 15 करोड़ लीटर एथनॉल ही खरीद पाई थीं। अगस्त में 1.33 अरब लीटर एथनॉल के लिए एक और टेंडर दिया गया था, लेकिन कंपनियों को 24.7 करोड़ लीटर एथनॉल ही मिला था।

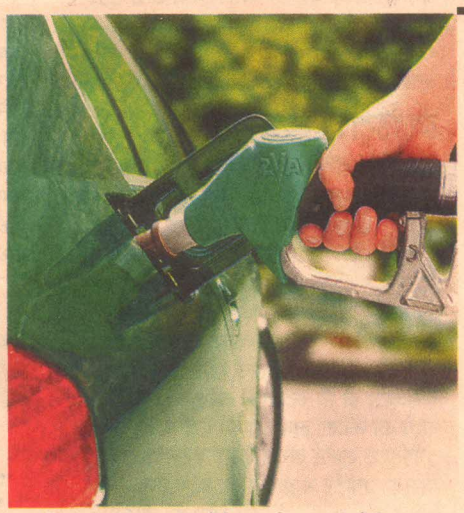

■ **इंडियन ऑयल** कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा है कि वे एथनॉल सिर्फ उन्हीं मिलों से खरीदेंगी, जो 44 रुपये प्रति लीटर के बेंचमार्क प्राइस पर इसे देने को तैयार हों

The Economic Times
21-1-14.